गुप्त नवरात्रि व्रत कथा PDF

प्राचीन मान्यता के अनुसार एक बार श्रृंगी ऋषि अपने भक्तों के बीच में बैठकर उनकी शंकाओं का समाधान कर रहे थे। इन सबके बीच एक स्त्री भी श्रृंगी ऋषि के पवित्र वचन सुन रही थी। महिला अपने पति से काफी परेशान थी। श्रृंगी ऋषि के सामने प्रकट होकर वह अपनी व्यथा कहने लगी।

उस स्त्री की व्यथा सुनकर श्रृंगी ऋषि बहुत द्रवित हुए और उन्होंने उस स्त्री से कहा– पुत्री! आप गुप्त नवरात्रि में मां भगवती की पूजा करें, आपकी सभी मनोकामनाएं अवश्य पूरी होंगी। वह स्त्री बोली– मुनिवर! मैं माता भगवती की पूजा करना चाहती हूं लेकिन मेरे पति नशेड़ी और तामसी हैं।

उनके तामसी होने के कारण हमारी पूजा सफल नहीं होती है जबकि मैं पूर्ण समर्पण के साथ भगवती की पूजा में अडिग रहता हूं। उस स्त्री की भक्ति से श्रृंगी ऋषि बहुत प्रसन्न हुए और बोले– पुत्री! आप सर्वेश्वरकारिणी देवी की आराधना करें, आपका कल्याण होगा।

सर्वेश्वरकारिणी देवी गुप्त नवरात्रि की अधिष्ठात्री देवी हैं, इनकी पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। अभयदान से अपने भक्तों की सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली गुप्त नवरात्रि के दिनों में सर्वेश्वरकारिणी देवी की पूजा को बहुत ही पवित्र और महत्वपूर्ण माना जाता है

श्रृंगी ऋषि ने कहा – जो व्यक्ति कभी पूजा नहीं कर सकता और लोभ, वासना, व्यसन के अधीन है, ऐसा व्यक्ति यदि गुप्त नवरात्रि में भगवती की पूजा करता है, तो उसके जीवन में और कुछ करने की आवश्यकता नहीं है। श्रृंगी ऋषि के वचन का पालन करते हुए महिला पूरी श्रद्धा से गुप्त नवरात्रि की पूजा करने लगी।

माता भगवती उन पर प्रसन्न हुई और धीरे–धीरे उनका जीवन बदलने लगा और उनके पति के सभी अनुचित व्यसन छूट गए। गुप्त नवरात्रि में भगवती की पूजा करने से उनके जीवन में सुख–समृद्धि का पुनः संचार होता है।

pdfinbox.com